हे श्याम | By Shagufta Hayat

हे श्याम हे श्याम
सुबह शाम जपु तेरो नाम

जग से हार के द्वार पे आये
मन अर्पण करने आये
पूजा जप तप मैं नहीं जानू
भाव भजन करने आये
किस विधि सेवा करू मैं आपकी
सूझे नहीं उपाय
हे श्याम .....

जलचर थलचर या हो नभचर
तेरी शरण में सब का जीवन
श्याम तुम्हारा नाम सुना तो
सौंप दिया तुझको तन मन धन
लाज आज़ाद की श्याम है तुमको
पग पग तू ही बचाये
हे श्याम .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-shagufta-hayat/